प्रथक

नृप सिंह नपलच्याल प्रमुख सचिव उत्तराचल शासन

सेवा में

- र समस्त प्रमुख सचिव / सचिव उत्तराचल शासन।
- मण्डलायुक्त, गढवाल मण्डल, पीडी।
- मण्डलायका कुनाय मण्डल नैनीताल।
- सभी विभागाध्यक्ष उत्तराचल।
- समस्त जिलाधिकारी उलारांचल।
- समस्त प्रबन्ध निदेशक / मुख्य कार्यकारी अधिकारी, समस्त राजकीय निगम।
- मुख्य नगर अधिकारी, नगर निगम, देहरादून तथा समस्त अधिशासी अधिकारी, रथानीय निकाय, उत्तरांचल।
- समस्त अपर मुख्य अधिकारी जिला प्रचायत उल्लंरांचल।

अमायक्त जल्तराचल हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुमाग देहरादून : दिनांक /६ फरवरी, 2006 विषय : भदन और अन्य सन्तिर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 एवं भवन और अन्य सन्तिर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के कियान्वयन की प्रगति सूचना।

महोदय.

कृपया उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 2175/VIII/680-श्रम थी.सी—II/02 दिनाक 31 अक्टूबर 2005 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो उक्त अधिनियमों के कियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कर प्रमति की सूचना शासन की प्रेषित करने के सम्बन्ध में है।

उक्त संदर्भ में जैसे कि आप अवगत है कि अधिनेयम के अन्तर्गत आवर्त सभी स्थापनों / सेवायोजकों द्वारा निर्माण कार्य के प्रारम्भ होने के 60 दिन के मीतर अपने स्थापनों कर पंजीकरण कराना आवश्यक है साध ही भवन और अन्य सिन्माण कर्मकार कत्याण उपकर अधिनेयम, 1998 की धारा 3 के साथ पठित नियम 4 के अनुसार उपकर की निर्धारित धनराशि का मृगतान भी गिर्माण कार्य की समाप्ति के 30 दिन के भीतर अथवा उपकर निर्धारण की तिथि से 30 दिन के मीतर जो पहले हो, संस कलेक्टर एवं उत्तराधन भवन और अन्य सिन्माण कर्मकार कत्याण बोर्ड के पास जमा किये जाने की विधिक अनिवार्यता है किन्तु अधिनियम के अन्तर्गत अब तक पंजीकृत किये गये प्रतिधानों एवं बोर्ड के पक्ष म जमा किये गये उपकर की राशि की सूचना शासन को प्राप्त नहीं हुई है और उक्त अधिनेयमों के अन्तर्गत नियुक्ति अधिकारियों द्वारा कृत कार्यवाही तथा बोर्ड के समझ पंजीकरण / संस जमा होने की सूचना भी शन्य है।

उन्त कम में मुझे आपको यह सूचित करने का भी निदेश हुआ है कि शासन के विस्त विभाग से परामर्श के उपरान्त महन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (निर्वाजन तथा सेवा कर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के प्रावधानों के अनुसार भवन और अन्य सन्निर्माण स्थापनों के सम्बन्ध में देय समस्त फीस स्थानीय कोधागार में निम्नालिखित विभागीय लेखाशीर्षक में जमा की जाय।

" 2230—प्रन तथा रोजगार-800 अन्य प्राप्तियां-99 अन्य विविध प्राप्तियों के अन्तर्गत अन्य विविध प्राप्तियां "

2. उत्तरांचल में निर्माण श्रमिकों के कल्याणार्थ विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संचालन हेतु राज्य सरकार द्वारा उत्तरांचल भवन और अन्य सिन्नर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का गतन किया गया है। कल्याणकारी योजनाओं के पोषण एवं संचालन हेतु आर्थिक ससाधन जुटाने के लिये अधिनियम में दी गयी व्यवस्था के अनुसार बोर्ड द्वारा भवन और अन्य सिन्धर्मण कर्मकार कल्याण निधि में पंजीकृत किये जाने वाले लागायी श्रमिकों से प्राप्त पंजीकरण शुल्क, गासिक अशयान के अलाया अग्य का गुट्य आर्थिक श्रांत इस निमेत केन्द्र सरकार द्वारा अधिनियमित गवन और अन्य

VA

सिन्सिर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अधीन प्राप्त उपकर, शास्ति और ब्याज सिन्सिलित हैं। अतः श्रमिको के लिये कल्याणकारी योजनाएं तभी प्रारम्भ की जा सकती हैं जब बोर्ड के पास निर्माण इकाइयों से प्राप्त उपकर की धनराशि समय से जमा होती रहें और उपकर का निर्धारण एवं मुगतान शुनिश्चित कराने के लिये विहित प्राधिकारी एवं अधिकारीगण पूर्ण निष्ठा और तत्यरता के साथ अधिनियम के प्रावधानों को लगा करें।

उपकर का भुगतान उन्हीं निर्माण स्थापनों वा व्यक्तियों द्वारा किया जाना है, जिन पर भयन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्ल विनियमन) अधिनियम, 1996 के प्रायप्रान लागू होते हैं और जो अधिनियम की घारा 2()) के अन्तर्गत परिभाषित "establishment" की परिभाषा से आच्छादित है। आगे अधिनियम में यह भी व्यवस्था है कि सरकारी विभागों अथवा सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों के मामलों में उपकर का भुगतान स्रोत पर ही कटौती कर जमा किया जायेगा। जहां निर्माण कार्यों की स्थीकृति विशी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा किया जाना अपेडित हो, उस स्थिति में निर्माण कार्य की स्थीकृति हेतु प्रस्तुत प्रार्थनाएज के साथ येय उपकर उत्तराचल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पक्ष में रेखांकित गागवेय द्वायट के माध्यम से जमा किये जाने का प्रावधान है। निर्माण कार्य के पक्ष में रेखांकित गागवेय द्वायट के माध्यम से जम्म कार्य प्रारम्म नोटिस के साथ उपकर की धनराशि बोर्ड के पक्ष में बैंक द्वापट के माध्यम से अधिम भी जमा कर सकते हैं।

यदि निर्माण कार्य की अवधि एक वर्ष से अधिक हो, उस स्थिति में उपकर की धनराशि कार्य प्रारम्भ होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि में किए गये निर्माण कार्य की लागत पर अनुमागित कर जमा की जायेगी और अवशेष उपकर कार्य समाप्ति पर प्रासंगिक अवधि में निर्माण कार्य की लागत के अनुसार अधिसूचित बसे पर जमा किये जाने का प्रावधान है। भवन और अन्य सन्मिर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 की धारा 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 26.996 के अनुसार उपकर की दर निर्माण लागत का 1 प्रतिशत के बराबर की धनराशि देय होना निश्चित किया गया है।

प्रत्येक निर्माण इकाई के सेवायोजक / स्वामी को प्रपन्न 1 में अपने स्थापन के सम्बन्ध में विवरण उपकर निर्धारण अधिकारी के समझ प्रस्तुत करना अनिवार्य है, जिसके आधार पर ही उपकर निर्धारण अधिकारी उपकर का निर्धारण उक्त विवरण प्राप्त होने के 6 माह के भीतर कर सकेंगे। यदि निर्धारित किये गये उपकर का मुनतान उपकर निर्धारण अधिकारी द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर जमा नहीं किया जाता है, उस स्थिति में उपकर निर्धारण अधिकारी ऐसी निर्माण इकाई के सेवायोजक पर शास्ति आरोपित कर सकता है, जो वेच उपकर की धनराशि के बराबर तक हो सकता है। इतना ही नहीं अदत्त उपकर पर विलम्ब से भुगतान करने पर ब्याज भी लगाया जा सकता है तथा उपकर निर्धारण अधिकारी ऐसे समस्त उपकर शास्ति और ब्याज की वस्तूली के सम्बन्ध में निर्माण इकाई के सेवायोजक के विरुद्ध मू-राजस्व के रूप में वसूली प्रमाण पत्र भी जारी कर सकता है। शासन द्वारा उपकर निर्धारण के लिये अपनी अधिकारिता सीमा के भीतर सभी उप जिलाधिकारियों को इस अधिनियम के प्रयोजनार्थ उपकर निर्धारण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

विस्तृत जानकारी हेतु श्रम विभाग द्वारा प्रकाशित मार्गदर्शिका और बोशर की एक प्रति पुन आपने अवलोकनार्थ संलग्न की जा रही है। पंजीकरण से सम्बन्धित जानकारी हेतु क्षेत्र से सम्बन्धित सहायक श्रमायुक्त / उप श्रमायुक्त / अपर श्रमायुक्त तथा उपकर जमा करने के सम्बन्ध में क्षेत्र के सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिवे अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।

आप सली मांति अवगत है कि राज्य सरकार उक्त अधिनियम को उत्तरांधल में प्रमायी ढंग से लागू करने के लिये कृतसंकल्प है और भारत सरकार द्वारा भी असगिवन क्षेत्र के भवन निर्माण श्रमिकों को लामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को अपने न्यूनतम साझा कार्यक्रम में सम्भितित किया गया है, जिसके अनुश्रवण हेतु प्रधानमंत्री कार्यालय में स्पेशल गुप का गठन किया गया है। इस संदर्भ में समय—समय पर आयोजित बैठकों में राज्य सरकार से अधिनियम के कियान्ययन की प्रगति की सूचना प्रेषित की जाने की अपेक्षा की जाती है।

अतः अनुरोध है कि अधिनियम के किवानायम के सम्बन्ध में अपने अधीनस्थ विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को त्यरित कार्यवाही करने के निर्देश जारी करने का कष्ट करें तथा

Jon

इस दिशा में कृत कार्यवाही की सूचना शासन और श्रम विभाग को देने का कष्ट करें। समस्त निर्माण कार्यों की निर्माण लागत के । प्रतिशत के बराबर उपकर की धनराशि जमा करने हेतु विभागीय बजद में व्यवस्था कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

( नृप सिंह नपलच्याल ) प्रमुख संविव।

पृथ्वाकन संख्या : 275 (1)/VIII/680- प्रत्र टीकी-2/2006 हर्दिनांकित : प्रतिलिपि :-1 अपर अमायुक्त, देहरादून को उक्त संसम्नक सहित सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आश्रा से,

(सोइन तात) अपर सचिव









# उत्तरांचल राज्य की पांचवीं वर्षगांठ के शुभअवसर पर

# भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के कल्याणार्थ कल्याणकारी योजनाओं का शुभारम्भ

भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम, राज्य नियमावली, उपकर अधिनियम व सपिवत नियमावली के मुख्य प्रावधान एवं तदन्तर्गत गठित कल्याणकारी योजनायें –

- 10 या 10 से अधिक श्रमिकों का नियोजन करने वाले भवन और अन्य सन्निर्माण प्रतिखान आच्छादित।
- आवशदित सभी प्रकार के सन्निर्माण प्रतिष्ठानों का श्रम विभाग में पंजीयन अनिवार्य ।
- माठ मंत्री जी, अम एवं सेवायोजन की अध्यक्षता में भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार करूयाण बोर्ड गठित।
- 18 से 60 वर्ष के मध्य आयुसीमा के कर्मकारों का लामार्थी के रूप में बोर्ड में पजीकरण अनिवार्य।
- महिला कर्मकार को प्रसृति काल में रू० 1000 / प्रसृति सुविधा।
- 60 वर्ष की आयु पर रू० 150 / मासिक पेंशन तथा पेंशन का आधा अथवा रू० 100 / जो अधिक हो, फैमली पेंशन ।
- कर्मकारों के लिए मकान की खरीद / निर्माण हेतु रू० 50,000 /- तक की अग्रिम राशि, की सुविधा।
- लकवा, कुच्छ रोग, तपैदिक अथवा दुर्घटना आदि के कारण स्थायी नि:शक्तता पर रू० 150/- मारिक तक नि:शक्तता पेंशन तथा रू० 5,000/- तक अनुग्रह राशि।
- नियोजन के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर २० 50.000/- तथा साम्यन्य मृत्यु की दशा में मृतक कर्मकार के नामितों/आश्रितों को रू0 15.000/- की आर्थिक सहायता।
  - अन्स्येष्टि संस्कार खर्च हेतु मृतक कमंकार के नामिता / आश्रितों को रू० 1,000 / की स्वीकृति।
  - उपचार हेतु रू० 1,000 / तक तथा दुर्घटना में नि:शक्त होने पर रू० 5,000 / तक चिकित्सा सहायता।
  - कर्मकार के बच्चों के लिए शिक्षा आर्थिक सहावता तथा औजार हेतु २० ५,००० /- तक ऋण सुविधा, ।
- दो बच्चों तक के विवाह के लिये तथा महिला कर्मकारों को स्वय के विवाह के लिये रू0 2,000 / की सहायता।
- बोर्ड द्वारा समय-समय पर अन्य कल्याणकारी योजनाएं भी गठित की जायेंगी।
- सन्निर्माण प्रतिष्ठान के कार्य प्रारम्भ, समापन तथा दुर्घटनाओं की सूचना प्रेषित की जानी अनिवार्य ।
- चपकर अधिनियम के अन्तर्गत सन्निर्माण प्रतिष्ठानों से निर्माण लागत का 1 : चपकर बोर्ड निधि में जमा किया जाना अनिवार्य।

जे० एस० बिष्ट अपर श्रमायुक्त डा० पी० एस० गुसाई अमायुक्त नृप सिंह नपलच्याल प्रमुख संचिव भवन और अन्य सन्निमणि कर्मकारों के कल्याणार्थ

कल्याणकारी योजनाओं का घुआरम्भ



किल्याणकारी योजनायें





NAMED AND STREET, STREET, STREET,

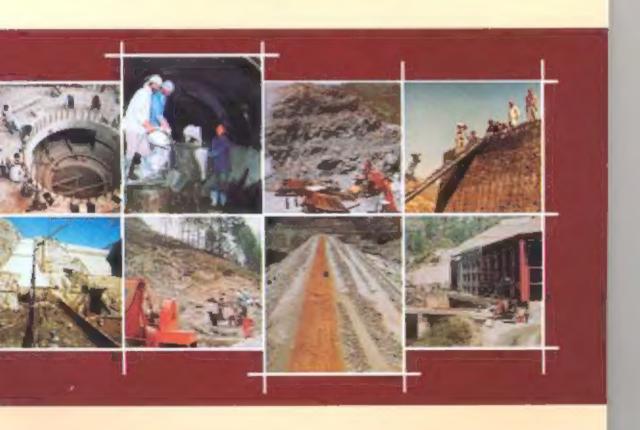
द्रमा। । 05946-224214 टेलिक्सा : 05946-282805 भूम मनन, नैनीताल भाग, हर्न्धानी, उत्तरांचल

श्रम विभाग, श्रमायुक्त संगठन जिल्ला गाँच कर

अमायुक्त, उत्तरायल

# मार्गदर्शिका

भवन और अन्य सन्तिर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 संपठित राज्य नियमावली, 2005 एवं तदन्तर्गत गठित कल्याणकारी योजनायें





श्रम विमाग, श्रमायुक्त संगठन उत्तरांचल

# मार्गदर्शिका

भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 संपंजित राज्य नियमावली, 2005 एवं तदन्तर्गत गठित कल्याणकारी थोजनाथें



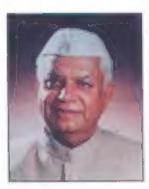
श्रम विभाग, श्रमायुक्त संगठन उत्तरांचल सरकार

# अनुक्रमणिका

नारंत आगुरा आगार प्रस्तावना सानिमांना प्रक्रियायं तथा है? कल्याणकारी याजनाओं की एक झलक प्रतिष्टाना / नियाजकों के दायित्व वास्तुविद्यं इन्जीनियरों आदि के दायित्व राज्य और बोर्ड की सेवाओं में व्यक्तियों के दायित्व कर्मकारों के दायित्व अन्य प्रावधान उपकर अधिनियम / नियमावली के प्रावधान कल्याण याजनाओं का विस्तृत विधरण उत्तराचल सरकार की कार्यवाही रायण दत्त तिवारी एथ गुडी, उत्तरायल



विधान भवन, देहरादून — 248 001 भारत



सन्देश

नुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता हो रही है कि विभिन्न सन्निमीण कार्यों में कार्यरत नेकों के कल्याणार्थ भारत सरकार द्वारा अधिनियमित भवन और अन्य सन्निमीण कर्मकार योजन तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, १९७६ के अन्तर्गत गतित विभिन्न नेवाणकारी योजनाओं का शुभारम्भ करने का संकल्प लिया गया है, जो निःसंवेह श्रमिकों उत्थान, राज्य के विकास और औद्योगिक प्रगति के लिए एक शुभ संकेत हैं।

किसी भी निर्माण कार्य में या उत्पादन कार्य में श्रीनक का योगदान और उसके त्य की उपेक्षा नहीं की जा सकती है, उसके बिना सृजन की कल्पना ही अधूरी है। श्रीनेकों योगदान बुनियाद के पत्थर की तरह अदृश्य रहता है। ऐसे ही श्रीनेकों के डितार्थ तरांचल राज्य की स्थापना की पांचर्यी वर्षगांठ के शुभअवसर पर कल्याणकारी योजनाओं शुभारम्भ पर प्रकाशित मार्गदर्शिका सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए उपयोगी सिद्ध गी। इस शुभअवसर पर में अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हैं।

ष्मकामनाओं सहित।

(नारायण दत्त तिवारी)

हीरा सिंह बिष्ट परिवहन, तकनीकी शिक्षा श्रम, संवायीजन एवं प्रशिक्षण मंत्री, उत्तरसंबद





# सन्देश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि असंगठित क्षेत्र के एक बहुत बदे श्रिमेक के कत्याणार्थ मारत सरकार द्वारा बनाये गये भवन और अन्य सिन्मिगीण कर्मकार ( तथा सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के प्रावधानों को उत्तरायक में कार्यानि के उद्देश्य से श्रम विभाग, उत्तरांचल द्वारा राज्य नियमायकी निर्मित की गयी है, अन्तर्गत कल्वाण योजनाओं का शुभारम्भ राज्य की स्थापना के पांचवी वर्षगांठ के शु पर करने का संकल्प तिया गया है। उत्तरांचल राज्य इस प्रयास में देश के उन उल्लेखनीय प्रदेशों की पानित में सम्मिलित हो गया है, जा निर्माणी श्रमिकों के स्वास्थ्य और उनकी कार्यदशाओं में सुधार लाने के लिए कृतसंकल्प है।

अधिनियम के प्रावधान इतने व्यापक हैं कि उनकों अक्षरशः कार्योन्धित करने एक बड़े एवं कुछल प्रवर्तन तंत्र को विकसित करने की आवश्यकता है, जिसमें सेव वास्तुविदों, श्रमिक संगठनों, स्वैदिष्ठक संगठनों एवं उपेक्षित निर्वत वर्ग की चिन्ता व समाजशास्त्रियों की सक्षिय भागीदारी और सहयोग वांछनीय है। इस विशा म मागेदार्शका सभी के मागेदर्शन हेतु एक उपयोगी पुरिसका सिद्ध होगी ऐसा मेरा विश् मुझे आशा है कि इस गृहद कार्य को मूर्त रूप देने में क्षम विभाग को अ संवायोगकरण, श्रमिक बन्धु और संवेदनशील व्यक्तियों एवं संस्थाओं का भरपूर प्राप्त होगा।

शुभकामनाओं सहित ।

हीरा सिंह विष्ट)

एम राधयन्त्रन का मार्ग स्थान स्थापन

हांगी





# सहदेश

Name and Address of Address of the Address of Part of the Address भाग में किंग्ली की र प्रकार के विकास क का सकत्य लिया है में नहीं राज्या में कार्यरत क्षमिक इस अधिनेयम के अनगान गानदा कल्याणकारी

न्य व्यक्तियां / संस्थाओं तथा सरकारी विभागा के मंगडशन के लिए पूर्ण उपयोगी

गृभकामनाभा सहित।

(एम समचन्द्रन) च्री ५५००-



### अभिका

भवन और अन्य सन्तिभाष कार्यों में पूरे देश में लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। भारत में असन

र े र े र निर्माण के किया गया।

्र प्राचित्र में इस अपने प्राचित्र में प्राचित्र के प्राचित्र के कि स्थान के

डा॰ पे॰ गरः म्याई भग आग्वन उत्तरावत





# आभार

(डा० पी० एस० गुसाइ

रि अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा स्पा हारे विनियमन) अधिनियम 1996 त भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (निया) च्या स्पा, शार्ग का विनिध नियम 2005 रि अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम 1998

# मुस्ट्य प्रावधान

· ... • अवन और अन्य सन्मिण्ण कर्नकार (किया तम तथा सेवा शर्त ) मिर्नि नेशम 1996 - - - - -2 4 4 2 4 7 57 44 . . 1、1、1、1 \*\* また アンビ まるでき メートでまずか おみがら क्रिया करा भ्राप्त का किस् j" . THE THE PART OF STATE OF STATE OF कर प्रोतिक के इसे स्कृतिकिक करणा लिया हो। जो तेल तो पर्याप्त के ती के ती हैं ती हैं से पर्याप्त के व के प्राप्त के के करियार के स्वार्थ के पिकार के लिक्षण कर कर है। असे कि का की कि का की कि का की कि का की कि का क स्वार्थ के कि कि कि कि का की कि कि कि कि कि कि कि का कि का कि का कि का कि ाक्रेफ़ गर्ग कर सर्वे अप न्यूनतम सम्झा कार्यक्रम (CMP) र विसर्वे अस को इस ह सभी भा को संपापिक गाया राजा ਲ-1 ਹੈ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਜ਼ਰੀ ਤਾਲ ਦੇ ਜ਼ਰਦਾ ਹੈ। ਤਾਂ ्रा रा । अध्य प्रज्ञा एम रहीयन ; इन्हा भवन और <del>अन्य सन्निर्माण कर्मकार</del> तथा सेवा शर्त विनियमन ) अधिनियम 1996 🐇 🥫 🐃 🚁 न का जिल्लाकी भो क्या र लगा छार्गिया गाउँ १ रन्ग एक न १ ए की एक क्रिनियम ही 'पारण के अन्तर्गा विशेषत्र समिति का गाम 🛒 राज्यों 🛒 राज्यों पर उत्तराचल ! अन्य सन्तिर्माण कर्मकार ( नियोजन तथा सेवा शर्टों का विनियमन ) नियम 2005 ा संख्या 963/VIII/ 660 श्रम/2002 दिनाक 25 जून 2005 . - - \* \* \* \* शाज्य को इस पंक्ति में सम्मिलित कर दिया गया है।

# सन्निर्माण प्रकियाए क्या है ?

स्तिभाण कर्मकार कल्यण उपकर (Cess) अधिनियम 1996 तथा भवन और उ

उत्तराचल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा सन्निम के लिए गठित कल्याणकारी योजनाओं तथा तत्सम्बन्धी विधिक प्रावध झलक

- प्राप्त २०११ प्राप्त २०११ सम्बर्धाः आच्छादित्।
- १९ १९ १९ १० वर मान्ति । श्रांतिक वर श्रम दिमाग में पंती कि प्र
- मा ३ = २० १ त व भाग्यामा मा वन्यासल तत्वन भार पास स्थिति ।
   कल्याण बोर्ड गठिता।
- • द हिंदा प्रतिकृति ।

- मा में एए एक १६ वर्णी १९८० वर्णी १८८० वर्
- - चिकित्सा सहायता
- दा तथा तक है गिरात है चिद्र चड़ मार्टन कर्नेकार हो काई है विद्र क्ष 2,000/- की सहायता।
- बो है द्वारों समय समय पर ५-ध है विकास यो उन्हों में कि ही विवास
- सिनामोण प्रतियान के कार्य प्रश्मेश समापन १६ दुन्यान ५ के स्पर्णन की सानी अनिवार्य।
- रक्ष के भन्ने के विकास अनिवार्य । निधि में जमा किया जाना अनिवार्य ।

- भवन और अन्य सन्तिमाण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शत विनियमन, अधि न
- उत्तरचल भवन और अन्य सन्तिमांण कर्मकार ( निया) तथा सेवा शर्तों का चिनि०) हि

# सारतर्माण प्रातेष्ठानों/विशोजको के द्रासित्व सम्बद्धा प्रावधान

### सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी

- र कार्त प्रशासिक के भी भरते के पारस्ता मुख्य स्था के स्था के ति । जा कार्या के प्रशासिक के स्था के स्था के स र के कार्त के कार्या के स्था क
- विकास के साथ के प्रतास कर कि उस अप अप कि उस अप के स्थाप के स्था
- र रे र र र विद्या प्रश्ना प्रश्ना प्रश्ना का का प्रश्ना का प्रश्ना का प्रश्ना का प्रश्ना का प्रश्ना का प्रश्
- हा है। जा के के के किया के किय किया के किया के किया किया के क

```
धालन करना। (नियम 82 से 95 तक)
    14
   (14111 208)
  करना (नियम 209)
     हर के किए किस क्षेत्र के किस का
   at a fel Tland to the transfer of the transfer
   स रांकण कुन ५ १९ ३ ९, ६६ ३,००० ३
   TTAR IN NOTE OF A STATE OF THE 
    , रह मा है । 🖅 , 📤 🔭 🔭 .
  आदि की व्यवस्था करना (नियम 223 से 232 तक)
है घण्टे, सुख सुविधाये, मजदूरी का सदाय रजिस्टर और अभिलेख आदि।
१९१८ के क्षेत्र स्थापन के १९१८ के काल के
  र हुंप के क्रा र वे भूगताल विकास के किया के प्राप्त कर क्रा कर का क्रा कर का क्रा कर का क्रा कर का क्रा कर का
  करना एवं निरीक्षक को मेजना। (नियम 238)
```

वास्तु विदो परियोजना इजीनियसे और डिआइनरो के दायित्व स

- - ्र इन्द्र र न के इन्द्रिय भागा समिति । धराम अस्तर स्थान प्रत्यक बार शिव इन इ अनुक्रम में सेवन केसीतारों हैं लिये परिसकटमय हों ।
- र १९१९ वर्ष विकास है। साथ के दि हुल ह

# राज्य और बोर्ड की रोवाओं में व्यक्तियों के दायित्व सम्बन्धी प्रावधान नियम १

### कमकारों के कर्तव्य और दायित्व सम्बन्धी प्राक्यान

नियम 8

- ままり、
   なり、
   なり、
- प्रतिक स्पन कि दर प्रति कि देश कि प्रति कि देश कि प्रति के कि प

#### अन्य प्राविधान

- १९८४ मा स्टान्य से स्टान्य १९८४ मा १९८४ मा १९८४ १९८४ मा १९८४ मा १९८४ मा १९८४ इस्लाइन
- शाचा ५८ विकास १ विकास १

# और अन्य रान्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम 1996 एवं संपठित नियमावली, 1998 के मुख्य प्रावधान 147 का अवधारण एवं कल्याण बोर्ड को भूगतान re fr. - р की दर से लगकर की धनराशि देय होगी - धारा 3 की गयी धनराणि समितित नही होगी— नियम 3 v 1 ,688 v 1 v . . . प्रवास -धारा ३ 5, 9 11 Cess U' Cess / भुगतान राज्य कल्याण बार्ड कां किया जानः – धारा 3, 10 the transfer of the property o Cess of a stage a little and a little to the later and a little to the प्राप्तिक किल्ला १४०० हे के लिल के किल्ला सकता है-धारा 3 नियम 4 मेनल्टी एवं वसूली आदि देय उपकर पर 2 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से न्याज देय धारा 8 1.1 1 में र Cess निर्देश भूकात हैं । २००१ किया किया किया है

वा सकता है— नियम 8

# उट्टराबन भवत एव अत्स रहिनर्माण व कल्याण वार्ड द्वारा गठित कल्याण सो स सम्बंदात विस्तृत पानाच

# सदस्यता ( नियम 266)

2

# (i) विद्यालय सं प्राप्त अभिलेख

जन्म तथा मृत्यु रिजस्ट्रार से प्राप्त प्रमाणपत्र

त प्राप्त का किल्ला के किला के किल्ला के किल

विचार किया जा सकेगा ।

 क्षिमाण कृमेकार का सहस्य क रूप में रिजेस्टर करेगा ।

ती क्षा के प्रति के प

, xx,t, , . . .

XXXII

पर रखगा ।

# अभिदाय ( नियम 267)

मार्थ हु। असी पारता । उद्योग पार्थि का रहित ही सहस्य करने से हु। भा । पार्ट प्रतान के तो है जो जिस्सी रहित के प्रवास हरे स्थिति स्था । पार्ट के प्रतास के प

# ।या दाखिल करना नियोजक का कर्तव्य (नियम 268)

प्रिक्ताना । इन शासन क्रिक्त हा को नशास में 15 दिन हे सीलार हाएँ के होना को समा १ - ऐसे की मानता हिल्ली स्विल्ड्रीका होने द्वान के हिला सकतार

सन्निमाण कर्मकारों को दिये जा रहे मूल वेतन, भत्ते तथा निः ूर के असार शिक्ष त्रीम् स्टेट The state of the state of माह में मौकरी छोड़कर चल गये हैं। प्रत्येक नियाजक अपने संस्थापन के सम्बन्ध में बोर्ड के संवित उ (3) 2 - 1 3" 2 26 XXX 4 1 (8 f) 1 1 1 1 र प्राप्त के अवस्था के किसी से किया से किया है। ± १. ८ विषया देवारिकाण प्राप्त अभिलेखों तथा रजिस्टरों का रखा जाना तथा प्रस्तुत किया ज ें रहर भोद्राया साञ्चलका र क भाग है। उसे जा पर शहर प्रावेशन वीप रे हार 1% व रसे इंट के रावट मा अलह हार प्रांशकर जाति। 2] क्षांतिक प्राप्ति । । , । तिमाण क्षेत्रार सं सम्बन्धा । , ; कि . . के ब भिया कि कार्यकार हो ऐसे 1 h ा प्रकार के प्राप्त और <sub>क</sub>ि क्षेत्रण सकाल आपस नहीं किया : भौजेक्सी है के द्वार इस बकार रख गर्ध अमिलेस्स की एक किसी विद्यमान निधि में सचित रकम का अन्तरण (नियम 270) ोकरी प्रतिहार ह हार हुए है है है है है है है है है है

कार भी के कार के कार के कार मान्य के एक के किया है।

भन्द र रहे भी देश राज्य । प्राप्ति से वाद के सिना सा

प्रापेत र र प्राप्त कर के भी प्रतिस्था कर का किस्तुन एका स

राज्य है दिवस र के दें भी भी असरिया की विशिध कर कर

(2)

```
राशि सदि काई हो का विवरण भी दिया जायंगा ।
धा (नियम 271)
1 8 1
ल् यह प्रस्किया दो बार से अधिक अनुमन्य नहीं होती ।
ये पात्रता (नियम 272)
111 4 /
1 70 1 1 1 1
पं • भेप प्रशासा प्रश्निका हुए ० वर्ष
येगी जिसमें इसने 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो ।
के लिए प्रकिया (नियम 273)
र रोपेर् च्राप्य द्वाप्य स्ट्राप्ट XXXV -
लियं प्राधिकृत अधिकारी को दिया जायगा ।
है गई व रूपीव पत रूप है
मा रेल् में पारल त्या म के र क
जाने का अवसर नहीं दिया जाता है।
१थ प्राया नाता है वि आदेश देशन 🕫 🥦
या जायेगा और तदनुसार आवेदक को सूचित किया आयेगा ।
the Contract of the Contract of the
रोपस्य को रिस्कृत के समझ आ<sup>हा</sup> ए
ए वार मार्र रेपल
हता है ।
```

```
= = 1 2 1 TT / 1 41 1 1
                 P. J. XXXV C. P. C. C. C. C. C.
भवन व्य अध्यवा निर्माण हेत् अधिम ( नियम 274)
                          x 14 th s
                  h , , 5 t
    ____
    भिनादेध किय जाये।
     ा भरन्तर पांच वर्षों से निधि का सदस्य नहीं है तथा जिसकी अधिवर्षक्ष
    प्रश्न से कम समय शब है।
    र । र ं र मिल के का सरकी की उस्
   'नेधारित समान किश्ता में की जावंगी !
नि शक्तता पेंशन (नियम 275)
 ं । १ मार भाषा अस्ति होता से नेव
   हर है के किल है के किल की कार कार कार की दी
```

\*\* ' \* \* \* रूप भेट न वेसका छीपीशाल की द्या

ं के किला सामान्य के किला आसील

कर्ष कर है है ने सुरार्ग्य सर्विद्यादिस कर्षे दल्ल

किसी शर्त के अधीन होगा ।

किया जग्यंगा

का का का पा का का का का

# करने के लिए ऋण (नियम 276) Tarr Francis ( E. F. ) endyth fourth during the state of igo Transis, "a" at a transition at - XI. हायता का भुगतान (नियम 277) . V . r 13 2" V. 1 in the state of th तुत किया जायंगा । हायता का सदाय (नियम 278) \*\* 1 v . \*\* \*\* III 4 Mr. I'V V A W V I . AT THE CAMP OF A PERSON AND ास हजार रूपद्या दिया जायंगा । सहायता (नियम 279) ू भासिती तो इस सिल्हो । 🕝 🤫 TT: , : ; , IT, 43 4 4 1 1 1 1 1 1 1 निर्देष्ट निए जाए प्रस्तुत किये जायंगे। चार १५६ स म्बन्ध में जाब कर सकता है हैं र इ. १९ वर्ग हुआ पूर्ण वर्ग भेकि भे , धुराहरू र वर्ग भाग गर्भ अंत्र ोति को या देव हो हो। या उस सामा है है है है है है है है तब वह सहायता राशि की स्वीकृति प्रदान करंगा ।

र्की राशि प्रथम पास दिनों के लिए दो सी रूपया तथा तत्पश्चाल शे

शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता (नियम 281)

विवाह हेतु आर्थिक सहायता ( नियम 282)

```
। (नियम 283)
that the them the
Day of Carles and a second of the second
he entire the entire that he was
THE MITTER ALL XIVE TO T
नैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाय ।
और ऋण की वसूली (नियम 284)
. .
1,
के अभिदाय की वापसी (नियम 285)
fe 'v 11 ( t v ) et e * =
त्र के प्रतिक्षित स्वयं की पुरुष के प्रतिकार के स्वयं का स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्व
रसों में सदत्त की जायेगी।
ल निक्षा ह अन्तर्गत इंग्रह्म अर्ग के <sub>लि</sub>ल
पालेक क्रिक किंद्र के प्राप्त क
ी रहर । पान में पान
। पालिसी के प्रीमियम के सदाय के लिए धन का प्रत्याहरण (नियम 286)
पर्के प्रशास के प्रकार के किया है। को किया है। किया की क्षा की
াঁক কৰু এই কোন কাইছি কাল কৰি । জি 📝 📝 📝 জন জুল
| 47 दे | अस्तर राहित्या के अस्तर्थेत कर अस्त क
सकं द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाय।
क्रिया के क्षेत्र ते । हिंदिया प्रता के क्षेत्र क्षेत्र के लिए
दस्य के नामें अवशव में से स्वीकृत नहीं की जायंगी।
```

```
निष्य क पक्ष में बीमा पालिसी का समन्देशन (नियम 287)
                      धनराशि की प्रतिभृति के रूप में समन्दर्शित की जायंगी
                                  वृश्चित् हुट
                              · · · · · · · ·
                              - ( , ) ')
      प्ररूप में बांडे सचिव का प्रषित की आयगी जैसा उसके हाश विक
       जायमी
बीमा पालिसी की वापसी (नियम 288)
  र रेक के किस के किस से का लीत कर गास
     - प्राप्त के <sub>विश्व</sub> करने के स्वासी अप से
       ्राप्त करणा । चार कार किया स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप
  (॥) सेवा त्यागने से पूर्व सदस्य की मृत्यू हाने पर।

    र समादार जिला स्वत्र प्राप्तिको माणार ४

       में सदस्य का संदाय प्राप्ति के लिए हकदार हो जाना।
लेखा (नियम 289)
```

(१) अहा परे के गा, के सिनाइ न से आप के लेक्क्ष विभाव पर्व की बई

उधार अथवा नामे खर्च, दर्ज की आयंगी

গিল সংক্ৰাৰ চলাই লাই ছেই ইম্মান্থিয়েই আল

. मार्च विषया जायंगाः

### धन का विनिधान (नियम 290)

# निधि का उपयोग (नियम 291)

're a' recarrant 2 year who

### निधि से व्यय (नियम 292)

- ू भिर्म । ज्ञास्तार १४९० हुणा पुर्व असारी हा । । वे प्रवासीक अस्या स प्रतिदक्ता की आयोगी।

### वार्ड के क्रिया कलापों के सम्बन्ध में रिपोर्ट (नियम 293)

# रजिस्टरों एवं रिपोर्टों की प्रतिया प्रस्तुत किया जाना (नियम 294)

स्ता हा तो र प्रोप्त नाह प्रोप्ता न्या रिकार हो नारीह है। हो पूर्विया किसी

# बकाया रकम की वसूली (नियम 295)

इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी चकाया धनराशि की लग के पश्चात उस रकम की वसूली हत् सम्बन्धित जिला कलेक्ट करेगा। ऐसा प्रमाण पञ्च प्राप्त होने पर जिला कलेक्टर उक्त धन व रूप में देय बकाये के रूप में करेगा

नो ' उक्त विवरण मार्गदिशिका मात्र है कृपया विस्तृत पूर्ण एवं और उ के लिए सदर्गित अधिनियमों एवं नियमा को देखे गवन और अत्स सहितमीण कर्मकार ित्साजन तथा रोवा धर्त वित्समत अधितिसम, 1996 के अटलर्गत राज्य सरकार के दासित्वा/धिक्तरों का विर्वहत करते हुए अद्याविधिक कार्यवाही

ें कर हिंगा गया है ल

्रांच १ के शास ६२ दे से ही गई द्वार के उत्तर करते का भवन गई अन्य ने स्व १ के हैं कि विद्यान के शास के पटल पर दिनाक 20 10 2005 की रखा गया।

्र रेक्षेत्रक के कि का कार्यक्रमण व्यक्तियां विकास के

- 4 प्रेड प्रदेश है है से स्थापन संस्था स्थाप ता स है स्थाप के अस्तापन अस्तापन का स्थापन के स्थापन स्थापन अस्तापन स्थापन स्यापन स्थापन स
  - रन ५ व अपीलीय अधिकारी का तात्र हा । ए ए १ व व व व व
- ह सन्तिर्माण निरीक्षण ह रूप है कि त्या के का स्थाप
  - ं संदेश हैं हैं 18 लगा कि क्षेत्रमा, हैं के किएम 251 में अलग । कि कि कि हैं कि अक्षा कि किएम से या 2018 VII 84 अन् कि 2 कि उत्तराचल भवन और अन्य सन्तिर्माण कर्मकार कल्या। कि 3 कि अध्यक्ष माठ मन्नी जी श्रम एवं सेवग्योजन हैं।
- - े रेप्स है पास पर स्वास्ति के स्वास के स्वास 263 वे कर्म के प्रति के देश के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के इ.स. प्रति के देश है के किया के स्वास के स

1 7 4 7 4 5 7 a ter the second comment of the classic sections. Y gr "40 Pale F" . Fa । ८ व त । । । ए । , । राज्य सलाहकार समिति की सदस्यता रेति के गठन की प्रकिया प्रगति पर है। CONTRACT THE CONTRACT OF THE C । । ' । अल्लाराचल मवन एव अन्य सन्तिमाण कर्मकार (नियाजन तथा सेवा शर्त न) नियम, २००५ के नियम २५६ व 🧺 🕬 🕬 उत्तराचल भवन और सन्तिर्माण ! कल्याण बोर्ड जाग सक्तिमाण एके हरत है जे का 🕆 📑 😁 🐤 🖘 📭 🤉 कार्यो है। दिया जार प्राप्ति हो हु अन्य भाग है जाह हो है। भवन और अन्य सन्तिर्माण : कल्याण उपकर अधिनियम 1996 में शारा ३ ज जा जाना जी पन राज नार र सरकार 2839 ਰਿਜਾਨ 26.9.1996 ਨੇ ਮਜ਼ੂਜ਼ਾਕ ਜਿਹਾਵੇ Specifed ਵਿਕਾਸ - - ਕਰ • % वर उपकर की धनराशि नियान assess किया कर बा Cess Assessing s Cess Collectors া Appellate Authority দি কর্মান কা সাম্যানী रीन है।

## उत्तराचल शासन श्रम संवायोजन प्रशिक्षण विठ एव प्रौठ विभाग संख्याः 2198/श्रम सेवा/680 -श्रम/2003

देहरादून : दिनाक : 5 नवम्बर, 2003

# अधिसूचना

ं रुष लाल के के पुत्र प्रणाल के प्रीकृति है।

आजा से

ह0 / -(केव एसव अगस्

आगामी साधारण मजट में प्रकाशित करने का कष्ट करें। साथ ही अधित ;

रपत्रका करा दे

गाडे फाइल (

			1	, .
	(h) (		n ,	cit of
	a personal re-	7 6	1 90	4 5x 3
सहय	स्यीकृति प्रदान करते हैं -			
		•	. ;	17.75
	महाप्रक्रमक स्तर से कम	का न हो तथा	जिन्हे निमाण कार्य	का विकार
2	मुख्य आंगयता लोक निः	राण विभाग, उत	तराघल ।	
3	4, 110	1	÷ +	
4	महाप्रबन्धक टी०एच०डी०	सीठ ऋधिकंशः।		
5	श्री रमेश चन्द्र जैन, उत्त	रांचल चैम्बर अं	फि कामसं, देहरादूर	1
6	и +	44 2 4	44,4 ( )	
7	भमायुक्त उत्तराचल हर	ਦੂਸਤੀ।		
		-, -	1 T 1/	d e
अधनी	। सरल्ति शासन को प्रस्तुतः	करगी।		₹0/-
				(नृष सिह
				प्रमुख
पुष्टाच	कन संख्या 2196 (1)/अ	संवा / 680	अम / 2003 तद्	दिनाक
A PARTY	निपि निम्निनिखित का सूच	नार्थ एव आवः	रयक कार्यवाही हेत	नु प्रेषित
2	कमटी के उक्त समस्त र	तदस्यगण		
		, " , F F.I.	e sum in the line	4 3 31 1 3

### उत्तराचल शासन श्रम सेवायोजन प्रशिक्षण वि० एव प्रौ० विभाग संख्याः 3531 /श्रम सेवा/880 —श्रम/2003 देहरादून : दिनांक : 12 नवम्बर, 2003

# शुद्धि—पत्र

> ह0/-(तृप सिंह नयलच्याल) प्रमुख सचिव

पृष्टीकन सख्या 3531 / श्रम सेवा / 680 ~ श्रम / 2003 तद्दिनाक प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रोपेत

- । कमेटी के उक्त समस्त सदस्यगण
- 2. श्रमायुक्त / अपर श्रमायुक्त उत्तरायस।
- त प्राप्ता का प्रमुख्य के प्रकाशनार्थ के प्रकाशनार्थ
- । गार्ड फाइल ।

भाझा से

ह0/-(केंग्र एस० दरियात) अपरसमिव

### उत्तराचल शासन श्रम एव सेवायोजन विभाग

संख्याः /VIII / 1063-श्रम / 2005 देहरादून : दिनाक : 15 अप्रैल, 2005

## अधिसूचना

### अनुसूची

	अधिक दी	अधिकारिता	
,	1	2	
	सभी उप/सहायक श्रमायुक्त, उत्तरायल।	सम्पूर्ण उत्तराच	

ह0 /-(नृप सिंह

FITTON

पृष्ठाकन संख्या 687/VIII/1063 · श्रम/2005 दिनाकित प्रतिलिपि निम्नलिखित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- १ अभायुक्त, उत्तरम्बल हल्हानी ।
- . अपर भ्रमायुक्त उत्तराचल गढवाल क्षेत्र देहरादून ।
- उप/सहायक श्रमायुक्त, गढवाल क्षेत्र, देहरादून ।
- 4 सम्बद्धक श्रमायुक्त कुमायू क्षेत्र, हल्द्वानी ।
- 6 मार्ड फाइल ।

आहा। से

(

#### उत्तराचल शासन

# अम सेवाया जन प्रशिक्षण वि० एव प्रौ० विभाग

संख्या /VIII/1083 -मम/2005 देहरादून : दिनांक : 15 अप्रैल, 2005

# अधिसूचना

### अनुसूची

अधिक श	अधिकारि ग
उत्तरावल गढाल क्षेत्र देहराद्न ।	

ह0/-(नृप सिंह नपलच्याल) प्रमुख सचिव

पृष्ठाकन सख्या 690 / VIII / 1063 अम / 2005 दिन कित प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हैतु प्रेषित =

श्रमायुक्त उत्तरंग्वल हल्हानी ।

अपर श्रमायुक्त, उत्तरंग्वल गढवाल क्षेत्र, देहरादून ।
उप/सहायक श्रमायुक्त, गढवाल क्षेत्र, देहरादून ।
उप/सहायक श्रमायुक्त, कुमायू क्षेत्र, हल्हानी ।

गि ""
सरकारी गजट में प्रकाशित करने का कष्ट करें ।

गाँउ फाइल ।

अज्ञा से

ह0 /~ (आर0केंo चौहान) अनुसचिव

### उत्तराचल शासन श्रम सेवायोजन प्रशिक्षण वि० एव प्रौ० विभाग

/VIII/1083 -574/2005 देहरादून : दिनाक : 15 अप्रैल 2008

# अधिसूचना

महामहिम राज्यपाल भवन और अन्य मिर्माण कर्मकार (विशोदान तथ्य प

लिए निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

### अनुसूची

अन्य कारी	शिकामेह
1	2
(६) अपर भ्रमायुक्त उन्तराधल गडकल क्षेत्र २) सभी उप भ्रमायुक्त उन्तराधल ।	देहरादून सम्पूर्ण र
<ul> <li>३) समी सहायक अमाय्यत उत्तराचल ।</li> <li>४) सभी अम प्रचान आंचकारी / युद्ध अन्</li> </ul>	P

雨0/-

(नृप सिंह नप

प्रमुख सर्व पृष्टाकन सख्या 689 / VIII / 1063 - श्रम / 2005 दिनाफित प्रतिनिधि निर्म्नातेस्थित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित

- अमायान जलासक्त हल्हानी।
- अपर समायुक्त, उत्तरसंचल गढवाल क्षेत्र, देहरादून ।
- उप / संस्थाक भ्रमायका गढवाल क्षेत्र, देहरादून ,
- उप / सहायक श्रमाय्क्त कुमायू क्षेत्र हल्हानी ।

True of 1 death

असाधारण सरकारी गजट में प्रकाशित करने का कष्ट करें गाडे फाइल ।

आझा से

80

(31

अस सेवायोजन प्रशिक्षण वि० एव प्रौ० विभाग संख्याः /VIII/1083 -श्रम/2005 देहराद्न विनाकः 15 अप्रैल, 2005

# अधिसूचना

> १०/-(नृप सिंह नपलच्याल) प्रमुख संचिव

सरस्या 688 / VIII / 1063 - श्रम / 2005 दिनाकित निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कर्यंदाही हेतु प्रेवित श्रमायुक्त, उत्तराघल हल्हानी । अपर श्रमायुक्त उत्तराचल गढवाल क्षेत्र, देश्तदून । उप / सहायक श्रमायुक्त गढवाल क्षेत्र, देश्तदून । उप / सहायक श्रमायुक्त कृमायू क्षेत्र, हल्हानी ।

गार्ड फाइल

आज़ा से ह0/-(आर0के0 चौहान) अन्सचिव

### उत्तराचल शासन श्रम एव सेवायोजन विभाग संख्या 2178 /VIII/84--श्रम/05 देहरादून दिनाक 31 अक्टूबर, 2005

## अधिसूचना

भी राज्यपाल भवन और अन्य राज्यिमांग कर्मकार (नियोजन तथा रोवा शर्त वि

रधाङ्गीत प्रदान करते हैं।

1 प्राप्त मंत्री जी भ्रम एवं सेवायोजन उत्तरणवल

2 ६-द सरकार द्वारा अनुसचिव, बीठजीठ (एलठडब्नुठ कार्यालय) जैशालगेर हा नदी दिल्ली

3 राम्य सरङ्ख्य का (1) सचिव चित्त उत्तरसचल शासन प्राप्ति करन (2) सचिव न्याय उत्तरसचल शासन पात तीन व्याप्त (3) मुख्य निरीक्षक निरीक्षण भवन और अन्य सन्भागित क्या स्वा शर्त विनयमन) अधिनियम 1998 प्रतन्तरमञ्ज्य भ्रम भ

्श पुरुष निराहक निराह्मण, भवन और अन्य सन्धिर्गण कर्म सवा शर्त विनिधमन्) अधिनिधम 1996 उत्तरशचल अम 1 हस्द्वानी ।

 शंताया तकों का (१) मुख्य अभि प्रानिभिधित्व करने कारी जो अधि बाल तीन व्यक्ति (2) श्री राकेश

(1) मुख्य अभियता, लोक निर्माण विभाग उत्तर्शंधल या उन कारी जो अधीक्षण अभियता से निम्न न हो (2) श्री राकेश शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर, मैसर्स जय प्र

113-सजपुर शेंड. देंहरादृत । (3) श्री मांहन सिंह बिल्डर फालतू लाईन, देहरादून ।

5- श्रमिकी का प्रतिगितिद्वित्व करने प्राप्त नीन द्विपन (1) की पुरुषोत्तम रावत, भागीरथी पुरम, नई टिहरी

.2) ऑमली रईसा फातिमा पत्नी श्री ग्लंडन भगत सिंह व

.3) श्री लवन्द्रसिह चिलवाल सुभाषनगर हल्हानी ।

2 राज्यपाल महादय उक्त अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) के अधीन यह

र पास्त्र के हे भारत की f

ED/-

(नृथ सिष्ठ नपः प्रमुख सर्ग

#### पृष्ठाकन शख्या 2178(1)/VIII/84 अम/05 तद्दिनाकित प्रतिक्षिपि निम्निक्षित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हत् प्रेषित

राधिव श्रम मकालय भारत सरकार श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली
राधिव उत्तराचल भवन एव अन्य सम्मिण कर्मकार कल्याण शेंडे।
राधिव मा० म्रलामत्री, उत्तराचल शासन।
शायव विधानरामा उत्तराचल।
श्रमायुक्त उत्तराचल, हल्द्वानी, जिला-नैनीताल।
श्रपर श्रमायुक्त दहरादून।
उपश्रमायुक्त पढवाल क्षेत्र/कुमायू क्षेत्र, देहरादून/हल्द्वानी।
पूर्व शित कर 100 प्रतियाँ शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट कर गाउँ काडल

(क्षेड्रन लाल) अपर सचिव

उत्तराधल शासन श्रम एवं सेवायोजन विभाग

संख्याः /VIII / 108--श्रम / 2005 देहरादून . दिनाक . 7 नवम्बर, 2005

कार्यालय ज्ञाप

ह0 / -(नृप सिंह नः प्रमुख स

प अक 2171 /VIII / 108-श्रम / 2005 तद्दिनाकित — इ. मेरिन्दे निम्निस्तित को सूचनार्ध एव आवश्यक कार्यवाही हेतु ग्रेषित -

- 2 सविव अम मञ्जालय, भारत सरकार, श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली ।
- 3- सचिव, माछ मुख्यमत्री जी सत्तराचल शम्सन, दैहरादून ।
- अमायुक्त उत्तराथल हल्द्वानी ।
- इन्हर्म्यन्धन अधिकारी
- अपन अमायुक्त उत्तराचल महकाल क्षेत्र देहरादृन ।
- उप अमायुक्त कुमायू क्षेत्र / मढकाल क्षेत्र, हल्हानी / वेहरादून ।
- B गाउँ-फाइल |

आझा से

60

### उत्तरायल शासन श्रम एव सेवायोजन विभाग

संख्याः /VIII/108-मम/2005 देहरादून : दिनाक : ७ नवम्बर, 2005

## कार्यालय ज्ञाप

> ह0 / -(नृप सिंह नपलब्याल) प्रमुख सचिव

1/VIII/108-अम/2005 तद्दिनांकित :-नम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

त्र १ १ १ १ १ १ सिक्तामोण क्रमेजार क्रान्त्रण वोर्ट इ ४८५ १ समस्य सदस्याण श्रम मुखालय भारत सरकार श्रम शक्ति भवत, नई—दिल्ली । भाठ मुख्यमंत्री जी छत्तराचल शासनः देहरादून । श्रा छत्तराचल हल्द्वानी । वि अधिकारी

ममयुक्त जताराधल, गढवाल क्षेत्र देहरादून । मायुक्त कुमायू क्षेत्र/गढवाल क्षेत्र, हल्द्वानी/देहरादून। भाइल

> ह0 / -(सोहन लाल)

> > अपर सचिव

#### संख्या 2175/VIII/680

प्रेयक

ष्ट्री नृष सिह नयलच्याल प्रमुख सचिव उत्तराचन शासन

#### सेवा में

- समस्त धम्खः सधिव/सधिव, उत्तराचल शासनः
- सभी मण्डलाय्यत् उत्तराचल।
- सभी विभागस्यक्ष, उत्तराचल।
- सभी जिलाधिकारी, उत्तरांचल
- was and the state of the state of
- - समस्त अपर मुख्य अधिकारी जिला प्रचायत, उत्तरांचल

धम एव सेवायांजन अनुभाग

देहरादून दिनांक ३१ अक्टूबर ३१

विषय उत्तराचल भवन एव अन्य सन्तिमाण (नियोजन तथा सेवा शर्तों का विनियगन) सम्बन्ध में :

#### महोदय

## अधिनियम के मुख्य प्रावधान निम्नाकित हैं.-

्र प्रमाणिता । प्

ता । स्व त्र प्राप्त के प्राप्त

> ह0/-(नृप सिंह नप प्रमुख स

- सम्बद्धीः

उत्तरांचल शासन श्रम एवं सेवायोजन विभाग संस्थाः /VHI/ ६८१० -श्रम/2005 <sup>१७७</sup> वि देहरादून दिनांक-25 नवम्बर, 2005

#### अधिसूधना

न संख्या २३७७ /VIII/देश सम्प्रात वद्दिनाकित -

श्री राज्यपाल भवन और अन्य सन्तिर्माण कर्मकार कल्वाण उपकर 14, 1996 ( 1996 का 28 ) की घारा 3 की उपधारा (2) एवं उसके अन्तर्गत बनाए 14 और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्वाण उपकर नियम, 1998 के नियम 2 के (11) के हारा प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्वर्धांक राज्य में देनात तहसीलदारों को उनकी अधिकारित की सीमा के भीतर उक्त आधिन्यम और के संगत उपवन्ती के प्रयोजनान सेस कलेक्टर नियुक्त करने की लहुई की कति करते हैं।

> ( नृष सिंह नेपलच्याल ) प्रमुख सविव।

प्रमुख संगिव, वित्त, उत्तरावल शासन।
समस्त प्रमुख संगिव/संगिव उत्तरावल शासन।
समस्त प्रमुख संगिव/संगिव उत्तरावल।
अध्यक्ष/संगिव उत्तरावल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड।
समस्त सदस्य उत्तरावल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड।
समस्त जिलाधिकारी, उत्तरावल।
समस्त प्रगना गंजिस्ट्रेट, उत्तरावल।
समस्त प्रण्डलायुक्त उत्तरावल।
ध्रमायुक्त उत्तरावल हल्हानी।
अगर अमायुक्त उत्तरावल हल्हानी।
अगर अमायुक्त उत्तरावल हल्हानी।
समस्त उप/सहायक अमायुक्त, उत्तरावल।
उप निवेशक राज्कीय मुद्रणालय कडकी को उक्त अधिसूबना असाधारण गजट
भे प्रकाशित कर 300 प्रतिया शासन को उपलब्ध कराने हेतु।
गार्ड फाइल।

प्रतिलिपि निम्नतिरिक्त को सुचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेन् प्रापित -

( साहग्रसत ) अपर सचिव।

आझा से

#### उत्तरांचत शासन श्रम एवं सेवायोजन विष्यत संस्थाः /VIII/ 60:-श्रम/2005 गर अ देशसङ्ग दिनांक अ के नवम्बर, 2005 अधिसूचना

श्री राज्यपाल, भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम, 1996 ( 1990 का 28 ) की धारा अ की जपधारा (1) सपछित धारा उपधारा (1) एवं उसके अन्तर्गत बनाए गए भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार र उपकर नियम, 1998 के नियम 2 के खन्छ (छ) के हारा प्रदल्त रावितयों का प्रयोग हुए उत्तर्वायल राज्य में तेनाल समस्त उप जिलाधिकारियों को उनकी अधिकारियों से मीडर उक्त अधिनियम एवं नियमों के समस्त उपध्यन्थों को प्रयोग्यामध्ये विश्वकारी नियमत जप्त की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

( नृप सिंह नपलच्याल ) प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 22:28 /VIII/हर्क-म्/१४४ तद्विनाकित — इतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

प्रमुख सचिव वित्त उत्तरावल शासन।

2- सनस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।

उ– समस्त विभागाध्यक्ष उत्तरांचल।

4- अध्यक्ष / सचिव उत्तराचन भवन और अन्य सन्निर्माण क्रमेकार कल्याण बोर्ड

समस्त सदस्य, उत्तराचल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड

6- समस्त जिलाधिकारी उत्तराचल।

7- समस्त परमना मजिस्ट्रेट, उताराचल ।

समस्त नण्डलायुक्त, उताराचल।

प्रमायुक्त, उत्तरांचल, हल्द्वानी ।
 अपर श्रमायुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।

11- समस्त उप/सहायक भ्रमायुक्त, उत्तरावल।

12 उप निदेशक राजकीय मुद्रणालय, रुडकी को उवल अधिराचना असाधारण में प्रकाशित कर 300 प्रतिधा शासन को उपलब्ध कराने हेतु।

13- गार्ड फाइल ।

(सोहनताल ) अपर सचिव।

#### 

#### अधिसूचना

श्री राज्यपाल, भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण छपकर नियम, 1996 ( 1996 का 2n ) की पात 11 एवं उसके अनुमंत बनाए गए भवन और 1 सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर निवम, 1998 के नियम 2 के लग्छ ( व ) के प्राच ता शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तराचल राज्य में तैनात सबस्त जिला मजिस्ट्रेट अपर जिला मजिस्ट्रेटों को उनकी अधिकारित की संख्य के भारत उस्त अधिनयम एवं (म) के समत उपक्रमा के प्रयोजनार्थ अपील प्राधिकारी निमुक्त करने के सहय किंति प्रदान करते हैं।

> ( गृप निष्कं नपलच्याल ) प्रमुख सथिव।

तिक्व भारत्या 1171 /VIII/ हरा-अम/२०० विद्विनांकित -प्रतिलिपि निम्नतिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -प्रमुख सचिव वित्तं, उत्तरांचल शासन। समस्त प्रमुख सचिव / सचिव उत्तराचल शासन। समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तरांचल। अध्यक्ष / सचिव, उरतरांचल भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड । समस्त सदस्य, जत्तरांचल भवन और अन्य लन्निर्माण कर्मकार कल्यान बोर्ड। समस्त जिलाधिकारी उत्तरांचल। समस्त परगना मजिस्ट्रेट, उत्तरायल । समस्त मण्डलायुक्त, उत्तरायल। धमायुक्त, उत्तरांचल हल्हानी । अपर श्रमायुक्त, उत्तराचल, देहरादून। समस्त उप/सहायकं श्रमायुक्त, उत्तराचल। उप निर्देशक, राजकीय मुद्रमालय, रूडकी को उक्त अधिसूबना असाधारण गजर में प्रकाशित कर 300 प्रतिया शासन को उपलब्ध कराने हेतु। गार्खं फाइल। आज्ञा से

> ( सोहनलाल ) अपर समिव।



श्रमायुक्त, उत्तरांचल श्रम भवन, नैनीताल मार्ग, हल्द्वानी, उत्तरांचल दूरमाष: 05946-224214 टेलिफैक्स: 05946-282805